खण्ड–495, अंक–2
सोमवार, 19 माघ, शक संवत् 1937
(08 फरवरी, 2016 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

—: 0 :—

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2016)

(खण्ड 495 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2015

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय–सूची

विषय			पृष्ठ–संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	1–5
सोलहवीं विधान सभा के वर्तमान सदस्यगण श्री राजेन्द्र सिंह राणा तथा श्री मित्रसेन यादव के निधन पर शोकोद्‌गार	...	...	7–12

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 08 फरवरी, 2016 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे श्री माता प्रसाद की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य–251

1. अंसार अहमद, श्री इलाहाबाद
2. अखिलेश प्रताप सिंह, श्री देवरिया
3. अगयश राम सरन वर्मा, श्री पीलीभीत
4. अजय कपूर, श्री कानपुर नगर
5. अजय कुमार, डा0 इलाहाबाद
6. अजय कुमार 'लल्लू', श्री कुशीनगर
7. अजीमुल हक पहलवान अंसारी, हाजी अम्बेडकर नगर
8. अनिल वर्मा, श्री उन्नाव
9. अनीसुर्ररहमान, श्री मुरादाबाद
10. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री इलाहाबाद
11. अबरार अहमद, श्री सुल्तानपुर
12. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री बलरामपुर
13. अभय नरायन सिंह पटेल, श्रीआजमगढ़
14. अभय सिंह, श्री फैजाबाद
15. अभिषेक मिश्र, श्री लखनऊ
16. अमर पाल शर्मा, श्री गाजियाबाद
17. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री फतेहपुर
18. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्रीबाराबंकी
19. अराधना मिश्र 'मोना', श्रीमती प्रतापगढ़
20. अरूण कुमार, डा0 बरेली
21. अलगू प्रसाद चौहान, श्रीसन्तकबीर नगर
22. अली यूसूफ अली, श्री रामपुर
23. अवस्थी बाला प्रसाद, श्रीलखीमपुर खीरी
24. अशफाक अली खां, श्री अमरोहा
25. आरिफ अनवर हाशमी, श्री बलरामपुर
26. आलोक कुमार शाक्य, श्री मैनपुरी
27. आशा किशोर, श्रीमती अमेठी
28. आशुतोष टण्डन (गोपाल जी), श्रीलखनऊ
29. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
30. इकबाल, श्री बिजनौर
31. इकबाल महमूद, श्री संभल
32. इन्दल कुमार, श्री लखनऊ
33. इन्द्रजीत कोरी, श्री कानपुर नगर
34. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
35. इन्द्रपाल सिंह, श्री कानपुर देहात
36. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
37. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
38. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री लखीमपुर खीरी
39. उदयराज, श्री उन्नाव
40. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया
41. उमाशंकर, श्री बलिया
42. उमेश पाण्डेय, श्री मऊ
43. उर्मिला देवी, श्रीमती महोबा
44. ओम कुमार, श्री बिजनौर
45. काली चरन सुमन, श्री आगरा
46. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
47. कृष्ण कुमार ओझा, श्री बहराइच
48. कृष्ण गोपाल पटेल, श्रीलखीमपुर खीरी
49. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
50. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
51. गजराज सिंह, श्री हापुड़
52. गजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
53. गयाचरण दिनकर, श्री बांदा
54. गिरीश चन्द्र उर्फ

गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
55. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
56. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
57. गेंदा लाल चौधरी, श्री हाथरस
58. गोमती यादव, श्री लखनऊ
59. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
60. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
61. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
62. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
63. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
64. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
65. जमीर उल्लाह खां, श्री अलीगढ़
66. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
67. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
68. जाकिर अली, श्री गाजियाबाद
69. जाहीद बेग, श्री सन्तरविदास नगर (भदोही)
70. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
71. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
72. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
73. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
74. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
75. त्रिलोकी राम, श्री अलीगढ़
76. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
77. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
78. दीपक पटेल, श्री इलाहाबाद
79. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
80. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
81. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
82. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
83. धर्मराज, श्री बाराबंकी
84. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कासगंज
85. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा
86. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
87. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्रीप्रतापगढ़
88. नारद राय, श्री बलिया
89. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
90. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री शाहजहांपुर
91. पंकज कुमार मलिक, श्री शामली
92. परवेज अहमद (टंकी), हाजी इलाहाबाद
93. पारस नाथ यादव, श्री जौनपुर
94. पीतमराम, श्री पीलीभीत
95. पूनम सोनकर, श्रीमती चन्दौली
96. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
97. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
98. प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
99. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
100. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
101. फसीहा मंजर ''गजाला लारी'', श्रीमती देवरिया
102. फेरन लाल, श्री ललितपुर
103. बंशीधर बौद्ध, श्री बहराइच
104. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
105. बदलू खां, श्री उन्नाव
106. बाबूलाल, श्री गोण्डा
107. बावन सिंह, श्री गोण्डा
108. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
109. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
110. बैजनाथ, श्री मऊ
111. भगवत सरन गंगवार, श्री बरेली
112. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
113. भीम प्रसाद सोनकर, श्री अम्बेडकरनगर
114. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
115. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
116. मधुबाला, श्रीमती सन्त रविदास नगर (भदोही)
117. मनबोध, श्री देवरिया

118. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
119. मनीष रावत, श्री सीतापुर
120. मनोज कुमार, श्री चन्दौली
121. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
122. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
123. महबूब अली, श्री अमरोहा
124. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
125. महेन्द्र सिंह पटेल, श्री वाराणसी
126. माइकल चन्द्रा, श्री अमरोहा
127. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
128. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
129. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
130. मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप, श्री बहराइच
131. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
132. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानपुर नगर
133. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावस्ती
134. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
135. मो0 जासमीर अंसारी, श्री सीतापुर
136. मो0 मुस्लिम, श्री अमेठी
137. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
138. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
139. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
140. मौ0 अलीम खां, श्री बुलन्दशहर
141. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद
142. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
143. यासर शाह, श्री बहराइच
144. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
145. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री कानपुर देहात
146. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
147. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
148. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
149. रणजीत सुमन, श्री एटा
150. रमेश चन्द बिन्द, डा0 मिर्जापुर
151. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
152. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
153. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
154. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
155. रवि शर्मा, श्री झांसी
156. आर0 के0 वर्मा, डा0 प्रतापगढ़
157. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
158. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
159. राजकुमार रावत, श्री मथुरा
160. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
161. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
162. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
163. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
164. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
165. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
166. राधे श्याम, श्री अमेठी
167. राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
168. राम करन आर्य, श्री बस्ती
169. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री संभल
170. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
171. राम गोविन्द, श्री बलिया
172. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
173. रामचन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
174. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
175. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
176. राम मगन, श्री बाराबंकी
177. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
178. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
179. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
180. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
181. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
182. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़

183.रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
184.रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
185.रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
186.रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
187.लक्ष्मी गौतम, श्रीमती संभल
188.ललितेश पति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
189.लोकेश दीक्षित, श्री बागपत
190.वहाब चौधरी, श्री गाजियाबाद
191.वाचस्पति, श्री कौशाम्बी
192.विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
193.विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
194.विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर
195.विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
196.विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
197.विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
198.विजय सिंह, श्री रामपुर
199.विजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह, श्रीफर्रुखाबाद
200.विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
201.विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
202.विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
203.विमला बाथम, श्रीमती गौतमबुद्धनगर
204.वीरपाल राठी, श्री बागपत
205.वीर सिंह, श्री चित्रकूट
206.वीरेन्द्र सिंह, श्री बरेली
207.वीरेश यादव, श्री अलीगढ़
208.शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
209.शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
210.शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
211.शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
212.शाकिर अली, श्री देवरिया
213.शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
214.शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
215.शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
216.शिव कुमार बेरिया, श्री कानपुर देहात
217.शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
218.शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
219.श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्रीवाराणसी
220.श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
221.श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
222.संजय कपूर, श्री रामपुर
223.संजय प्रताप जयसवाल, श्री बस्ती
224.सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर
225.सतवीर सिंह गुर्जर, श्री गौतमबुद्धनगर
226.सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
227.सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
228.सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
229.सन्तराम कुशवाहा, श्री जालौन
230.सन्तोष पाण्डेय, श्री सुल्तानपुर
231.सलिल विश्नाई, श्री कानपुर नगर
232.सिनोद कुमार शाक्य (दीपू), श्री बदायूं
233.सिबगतुल्ला अंसारी, श्री गाजीपुर
234.सियाराम सागर, डा0 बरेली
235.सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री फतेहपुर
236.सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
237.सुदेश शर्मा, श्री गाजियाबाद
238.सुधीर कुमार, श्री उन्नाव
239.सुनील कुमार लाला, श्रीलखीमपुर खीरी
240.सुब्बा राम, श्री गाजीपुर
241.सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
242.सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली
243.सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
244.सुल्तान बेग, श्री बरेली
245.सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमतीगाजीपुर
246.सोबरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी

247.स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
248.हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री लखीमपुर खीरी
249.हरिओउम् यादव, श्री फिरोजाबाद
250.हेमराज वर्मा, श्री पीलीभीत
251.हेमलता चौधरी, श्रीमती बागपत

नोट :–मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव), माध्यमिक शिक्षा मंत्री (श्री बलराम यादव) तथा राजनैतिक पेंशन मंत्री (श्री राजेन्द्र चौधरी) भी सदन में उपस्थित थे।

ख11.01, सोलहवीं विधान सभा के वर्तमान सदस्यगण श्री राजेन्द्र सिंह राणा तथा मित्रसेन यादव के निधन पर शोकोद्‌गार

श्री अध्यक्ष–

निधन के निर्देश ।

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)–

माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी के नेता, कांग्रेस नेता श्री प्रदीप माथुर जी, आर0एल0डी0 के नेता और सभी माननीय सदस्यगण। बड़े दुख की बात है कि जो हमारे साथी सदस्य थे स्व0 राजेन्द्र सिंह राणा जो साथ ही मंत्रि–मण्डल में भी थे। उनका जन्म 01 जुलाई 1961 को जनपद सहारनपुर के भायला ग्राम में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एल0एल0बी0 की डिग्री और जर्नलिज्म में डिप्लोमा प्राप्त किया। वकालत और पत्रकारिता को उन्होंने व्यवसाय के रूप में अपनाया। फरवरी, 2002 में वह जनपद सहारनपुर के देवबन्द विधान सभा क्षेत्र में पहली बार प्रदेश की चौदहवीं विधान सभा के सदस्य चुने गये। विधान सभा सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल में वह नेता जी के मंत्रि–मण्डल में परिवहन विभाग के राज्यमंत्री तथा महिला कल्याण, संस्कृति, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार भी रहे। इसके साथ ही वह आश्वासन समिति तथा विधान पुस्तकालय समिति के सदस्य भी रहे। मार्च, 2012 में दूसरी बार 16वीं विधान सभा के सदस्य चुने गये और मंत्रि–मण्डल में ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाला। 27 अक्टूबर, 2015 को कैंसर की बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। स्व0 राजेन्द्र सिंह राणा हसमुख स्वभाव के तेजतर्रार व्यक्ति थे। समाजवादी सरकार के समर्पित मंत्री और पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में लगातार पार्टी को आगे बढ़ाते रहे। समाज के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के लिए उनके मन में गहरी दया और करूणा की भावना थी। इसी के चलते वह राजनीति में आने के लिए प्रेरित हुये। राजनीति में आने के साथ–साथ वह लगातार गरीब और असहाय लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते रहे। अपने संघर्ष के दौरान जनआन्दोलन चलाने के लिए उन्हें जेल भी भेजा गया। स्व0 राजेन्द्र सिंह राणा ने हमेशा सरकार व संगठन में उन्हें जो काम सौंपा उस दायित्व को बखूबी निर्वहन किया। उनकी मृत्यु से हम सबकी अपूर्णनीय क्षति हुयी है। जिसे जल्दी पूरा नहीं किया जा सकेगा। मैं स्व0 राजेन्द्र सिंह राणा को अपनी तथा सदन की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

स्व0 मित्रसेन यादव का जन्म 11 जुलाई, 1934 को जनपद फैजाबाद के भिटारी गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा फैजाबाद में हासिल की। खेती से लेकर ग्रामीण अंचल में वे लगातार बने रहे। लोगों से जुड़े रहे। 1977 में वह पहली बार सातवीं विधान सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुये। वह सातवीं, आठवीं, नवीं, बारहवीं, तेरहवीं और सोलहवीं कुल 06 बार प्रदेश की विधान सभा के सदस्य चुने गये। विधान

सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने नियम समिति, प्राक्कलन समिति, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बंधी संयुक्त समिति, विशेषाधिकार समिति, कार्य–मंत्रणा समिति एवं अधिष्ठाता मण्डल के सदस्य के रूप में अपने दायित्वों को बखूबी निभाया। स्व0 मित्रसेन यादव नवीं, बारहवीं और चौदहवीं लोक सभा के लिए भी फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के लोक सभा सदस्य चुने गये। लोक सभा सदस्य रहते हुए वह लोक लेखा समिति के सदस्य भी रहे। 07 सितम्बर, 2015 को 81 वर्ष की अवस्था में बीमारी की वजह से उनका निधन हुआ। स्व0 मित्रसेन यादव जीवट व्यक्ति और जुझारू नेता थे। उनका राजनीतिक जीवन काफी सफल और लम्बा रहा। स्व0 मित्रसेन यादव हमेशा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े तथा दबे कुचले लोगों के लिए संघर्ष करते रहे। साम्प्रदायिकता के खिलाफ उन्होंने लगातार संघर्ष करते हुए जनपद फैजाबाद में साम्प्रदायिक ताकतों को मजबूत होने नहीं दिया। फैजाबाद जनपद के विकास में उनका काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कई शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर उन्होंने क्षेत्र के नौजवानों को शिक्षा हासिल करने का मौका देकर शिक्षा के क्षेत्र में काफी सराहनीय कार्य किया है। फैजाबाद जनपद के किसान इण्टर कालेज, कल्याणपुर, किसान हाई स्कूल, बनकटा तथा वूमेन्स इण्टर कालेज, भिटारी के भी संस्थापक, प्रबंधक रहे। वह समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता थे और हमेशा पार्टी को मजबूत करने और उसका जनाधार बढ़ाने के लिए प्रयास करते रहे। मित्रसेन यादव जी की मृत्यु से हम सबकी अपार क्षति हुई है। मैं स्वर्गीय मित्रसेन यादव को अपनी तथा सदन की ओर से हार्दिक श्रृद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)–

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 नेता सदन, मा0 नेता भाजपा, मा0 नेता कांग्रेस, मा0 नेता लोकदल एवं सदन के सभी मा0 सदस्यगण, सबसे पहले मा0 नेता सदन ने विधान सभा के दोनों वर्तमान सदस्यों के निधन पर जो अपनी शोक संवेदना व्यक्त की, उससे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं मा0 अध्यक्ष जी, मित्रसेन यादव जी, जिनका निधन 07 सितम्बर, 2015 को हुआ। मान्यवर, वह संघर्षों के पर्याय थे, आन्दोलन से वह पैदा हुए थे और लम्बे अर्से तक सामन्तवादी ताकतों से गरीबों को निजात दिलाने के लिए लगातार संघर्ष के दौर से उनका जीवन गुजरता रहा, लेकिन 07 सितम्बर को चलते–फिरते गरीबों की आवाज इस सदन के माध्यम से लगातार उठाते हुए हमारे बीच से चले गये। स्वाभाविक रूप से यह हम सबके लिए बहुत ही दुःखद है। मा0 अध्यक्ष जी, इस सदन में सन् 1977 में पहली बार, उसके बाद 1980, 1985 और 1993 में कम्युनिष्ट पार्टी से सदस्य रहे और 1996 में तथा 2012 में समाजवादी पार्टी से सदस्य निर्वाचित होकर के यहां पर सदन में आये। यही नहीं मान्यवर, तीन–तीन बार लोक सभा में भी वह सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके थे और 1989 में लोक सभा में कम्युनिष्ट पार्टी से 1998 में समाजवादी पार्टी से और 2004 में बहुजन समाज पार्टी से लोक सभा में निर्वाचित सदस्य के रूप में पहुंचे। मान्यवर, छः बार विधान सभा में और तीन बार लोक सभा में, स्वाभाविक रूप से यह उनके लम्बे संघर्ष का उदाहरण है और साथ ही साथ क्षेत्र की

उनकी लोकप्रियता भी अपने आप स्पष्ट होती है। वह क्षेत्र में गरीबों की सही मायने में नुमाइंदगी करते थे, यद्यपि कि वह समाजवादी पार्टी में थे, कम्युनिष्ट पार्टी से उनका अभ्युदय हुआ, हमारे भी साथ थोड़े दिन बहुजन समाज पार्टी में रहे, लेकिन उनका संघर्ष किसी भी पार्टी से, उनकी अलग पहचान बनाता था। वह कम्युनिस्ट पार्टी में रहे हों या समाजवादी पार्टी में रहे हों लेकिन हम सब उनका समान रूप से सम्मान करते थे, आदर देते थे और उनकी अपनी जो व्यक्तिगत संघर्षशीलता, प्रतिभा, गरीबों के प्रति समर्पण और राजनीति में लगातार अपने ऊसूलों पर अडिग रहे तथा स्पष्टवादिता उनकी एक पहचान रही है। ऐसा निर्भीक नेता यदि आज हमारे बीच में नहीं है तो उनके न रहने से सदन में एक बहुत बड़ी शून्यता स्वाभाविक रूप से आई है। माननीय अध्यक्ष महोदय जी, वह विभिन्न कालेजों के संस्थापक भी थे। साथ ही साथ इतने लम्बे अरसे के कार्यकाल में विधान सभा में तमाम समितियों में नियम समिति, प्राक्कलन समिति, लोक लेखा समिति, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों की समिति, अधिष्ठाता मण्डल, विशेष कार्य की समिति, कार्य–मंत्रणा समिति आदि तमाम समितियों में रहे हैं। आज ऐसे विद्वान, जुझारू, संघर्षशील और संघर्ष के पर्याय के रूप में श्री मित्र सेन यादव जी का अभाव सदैव हमें खलता रहेगा। उनके निधन से इस विधान सभा में शून्यता आई है। उनके क्षेत्र की जनता को और उनके जनपद के लोगों को उनके न रहने से जो पीड़ा है वही पीड़ा हम सबको है। ऐसी स्थिति में हम सभी अपनी ओर से, अपनी विपक्षी पार्टियों की ओर से और साथ ही साथ बहुजन समाज पार्टी की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। मान्यवर, हमारे दूसरे माननीय सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह राणा जी जो वर्तमान समाजवादी पार्टी सरकार में मंत्रि–मण्डल में सम्मानित मंत्री भी थे। 27 अक्टूबर 2015 को उनका निधन हो गया। मान्यवर, पहली बार 2002 में श्री राणा बहुजन समाज पार्टी से निर्वाचित हो कर आए थे और दूसरी बार 2012 में समाजवादी पार्टी से निर्वाचित हुए। विभिन्न समितियों में रहे और कई विभागों के मंत्री भी रहे। स्वाभाविक रूप से उनकी बातों से कभी–कभी यहां पर हम लोग बरबस हंसने के लिए मजबूर हो जाते थे। यद्यपि कभी–कभी टकराव की भी स्थिति आती थी लेकिन सदन में ज्यादातर वह कम बोलते थे और जब भी वह बोलते थे तो सदन हॅसता था या कहीं न कहीं टकराव की स्थिति भी पैदा होती थी। तो स्वाभाविक रूप से आज श्री राणा जी के निधन से सदन में जो बीच–बीच में हंसी का दौर आता था शायद उसकी भरपाई नहीं हो पायेगी। स्वाभाविक रूप से उनके निधन से हम सभी दुखी है। हम अपनी ओर से बहुजन समाज पार्टी की ओर से, अपने सभी विपक्षी पार्टियों की ओर से उन्हें इस निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए और साथ ही साथ मान्यवर, आपसे अनुरोध भी करते हैं कि हम सभी की भावनाओं को उनके परिवारीजनों तक पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना–

माननीय अध्यक्ष जी, आज सभी माननीय सदस्य इस सदन के दो वर्तमान सदस्यों को श्रृद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं। इस सदन के वरिष्ठतम सदस्य सम्माननीय श्री मित्रसेन यादव जी, जिनका जन्म 11 जुलाई, 1934 को ग्राम भिटारी,

जिला फैजाबाद में हुआ था। वह इस सदन के 1977, 1980, 1985, 1993 में निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर, जिला फैजाबाद से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनकर आए थे और उसके बाद 1996 और 2012 में बीकापुर, जिला फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य के रूप में इस सदन में आए थे। वह 06 बार इस सदन के सदस्य रहे, सांसद भी रहे। अपने राजनैतिक जीवन में कई बार उनको जेल भी जाना हुआ और वह शिक्षण संस्थाओं से काफी जुड़े रहे। उन्होंने जनपद फैजाबाद में कई शिक्षण संस्थाएं स्थापित कीं। उनकी रचनात्मक कार्यों में विशेष रुचि थी। वह आन्दोलनों में भी भाग लेते रहे। उनके निधन से इस सदन ने एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। हम सब उनके निधन पर दुःख व्यक्त करते हैं। दूसरे मा0 सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह राणा जी जिनका जन्म 01 जुलाई, 1961 को ग्राम भायला, देवबन्द, जिला सहारनपुर में हुआ था। वह इस सदन में पहली बार वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनकर आए थे और दूसरी बार वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनकर आए थे। वह मा0 मुलायम सिंह यादव जी के मंत्रि–मण्डल तथा वर्तमान मंत्रि–मण्डल के सदस्य रहे, उनके पास कई विभाग थे। जैसा कि नेता विरोधी दल ने कहा कि वह अपनी उपस्थिति को किसी न किसी रूप में इस सदन में दर्शाते रहे। मान्यवर, उनका एक लम्बी कैंसर की बीमारी के बाद निधन हुआ और यह बीमारी कई सवाल खड़े करती है। हम कैंसर की बहुत सी बीमारियों का इलाज खोज चुके हैं लेकिन आज भी उस कैंसर की बीमारी के इलाज को खोजने की आवश्यकता है जिसकी वजह से हमने अपना एक सदस्य खो दिया। मान्यवर, चूंकि वह मंत्रि–मण्डल के सदस्य थे, विधायक थे इसलिए जितनी भी चिकित्सा सम्भव थी, वह की गई और तमाम तरीके की ओपिनियन सीक करने के बाद उनका इलाज हुआ। मैं व्यक्तिगत रूप से भी उनको जानता था, मेरा उनका व्यक्तिगत रूप से भी परिचय था तो कई बार उनसे मिलना भी हुआ लेकिन आज भी इस बात की आवश्यकता है कि कैंसर के क्षेत्र में जो लगातार रिसर्च चल रही है हम उसको जारी रखें और उसको ओवरकम करने की आवश्यकता है। उनके निधन से प्रदेश ने एक राजनीतिज्ञ, मंत्रि–मण्डल ने अपना एक सदस्य, इस सदन ने अपना एक सदस्य खो दिया। हम उनके निधन पर दुःख व्यक्त करते हैं तथा आपसे अनुरोध करते हैं कि इस दुःख की घड़ी में श्री मित्रसेन यादव जी के परिवार को हमारी और हमारे दल की शोक संवेदना तथा श्री राजेन्द्र सिंह राणा जी के परिवार को हमारी व हमारे दल की शोक संवेदना भिजवाने का कष्ट करें। धन्यवाद।

श्री प्रदीप माथुर–

मा0 अध्यक्ष जी, नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता भारतीय जनता पार्टी के विचारों से मैं और मेरा दल अपने दो वर्तमान सदस्यों के निधन पर अपना मन्तव्य जोड़ता है। मा0 अध्यक्ष जी, श्री मित्रसेन यादव जो एक बहुत वरिष्ठ नेता थे और 07 सितम्बर, 2015 को जिनका निधन हुआ, वह एक बहुत ही कुशल राजनीतिज्ञ थे। मुझे भी उनके साथ बातचीत करने का कई बार मौका मिला, वह बहुत प्रबुद्ध व्यक्ति थे। वर्ष 1977, 1980, 1985, 1993 में वह कम्युनिस्ट पार्टी से विधायक रहे, वर्ष 1996 में

समाजवादी पार्टी से और वर्ष 2012 में जनपद फैजाबाद से समाजवार्दी पार्टी के विधायक रहे। वह 03 बार लोकसभा के सदस्य भी रहे। वह मृदुभाषी थे, कुशलता से अपनी बात को रखने वाले थे और काफी संघर्षशील व्यक्तित्व के मालिक थे। वह कई बार जेल भी गए और उनकी कई संस्थाएं भी थीं। वे किसान इण्टर कॉलेज, कल्याणपुर, फैजाबाद के संस्थापक और प्रबन्धक थे। किसान हाईस्कूल, बनकटा, फैजाबाद के संस्थापक तथा वूमेन्स इण्टर कॉलेज, भिटारी, फैजाबाद के प्रबन्धक थे। वह हमेशा ही रचनात्मक कार्यों में संलिप्त रहते थे और उनका बहुत सी सामाजिक संस्थाओं से सम्बन्ध था। मान्यवर, आज हम उनको अपने बीच में न पाकर बहुत दुःखी हैं और हम लोगों ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। मान्यवर, इसी तरह से हमारे दूसरे साथी श्री राजेन्द्र सिंह राणा का बड़ी अल्पायु में निधन हो गया। वे कुल 54 वर्ष के थे। उनका जन्म 1 जुलाई, 1961 को ग्राम भयला, देवबन्द, जिला सहारनपुर में हुआ था। उन्होंने ग्रेजुएशन एवं एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। वे एक बहुत ही कुशल राजनैतिज्ञ थे, बहुत हंसमुख प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। हमें उनके साथ विदेश में यात्रा करने का भी मौका मिला। विधान सभा में भी हंसी के ठहाके छोड़ा करते थे और कभी–कभी मुद्दों पर अपनी दृढ़ता भी दिखाते थे। वे वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी से और वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट से जीते। माननीय मुलायम सिंह यादव जी के मंत्रि–मण्डल में रहे और माननीय अखिलेश यादव जी के मंत्रि–मण्डल में अभी मंत्री थे। वे कैन्सर की बीमारी से पीड़ित थे और उनका स्वास्थ्य बहुत गिर चुका था। उनके निधन पर हम लोगों को बहुत दुःख है। दोनों ही नेताओं के परिवारों को हमारी और हमारे दल की संवेदना आप कृपया पहुंचा दीजिएगा।

श्री दलवीर सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता भाजपा, माननीय नेता राष्ट्रीय कांग्रेस ने जो अपनी शोक संवेदनाएं बड़े विस्तार से हमारे दो माननीय सदस्यों जो स्वर्गीय हो गए हैं, उनके सम्बन्ध में व्यक्त की हैं, मैं अपनी तरफ से अपने आपको और अपने दल को उससे सम्बद्ध करता हूं। उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री मित्रसेन यादव का 7 सितम्बर, 2015 को निधन हो गया। वे लगभग 81 वर्ष के थे। श्री मित्रसेन यादव का जन्म 11 जुलाई, 1934 को ग्राम भिटारी, जिला फैजाबाद में हुआ था। उन्होंने इण्टरमीडियट की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री मित्रसेन यादव वर्ष 1977, 1980, 1985, 1993 में निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर, जिला फैजाबाद से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, वर्ष 1996 में समाजवादी पार्टी तथा वर्ष 2012 में निर्वाचन क्षेत्र बीकापुर, जिला फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे। वे लोक सभा के सदस्य भी रहे थे। श्री मित्रसेन यादव ने विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों में भाग लिया जिसके फलस्वरूप वे कई बार जेल गये थे। वे किसान इंटर कालेज, कल्याणपुर, फैजाबाद के संस्थापक व प्रबन्धक, किसान हाई स्कूल, बनकटा, फैजाबाद के संस्थापक तथा वूमेन्स इंटर कालेज, भिटारी, फैजाबाद के प्रबन्धक थे। रचनात्मक कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी। वे कई सामाजिक

संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहे थे। श्री मित्रसेन यादव के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

इसी प्रकार हमारे दूसरे साथी जो इसी सदन में मंत्री के रूप में भी थे, विधायक के रूप में भी थे। उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह राणा का 27 अक्टूबर, 2015 को निधन हो गया। वे लगभग 54 वर्ष के थे। बहुत कम उम्र के थे। श्री राजेन्द्र सिंह राणा वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी तथा वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र देवबन्द, जिला सहारनपुर से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे। श्री राजेन्द्र सिंह राणा जन आन्दोलन में भाग लेने के फलस्वरूप जिला कारागार, सहारनपुर में बन्दी रहे थे। वे श्री मुलायम सिंह यादव मंत्रि–मण्डल तथा वर्तमान मंत्रि–मण्डल में राज्य मंत्री रहे थे। संसदीय अध्ययन, पत्रकारिता तथा खेल में उनकी विशेष रुचि थी। श्री राजेन्द्र सिंह राणा के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

मैं माननीय राजेन्द्र सिंह राणा और श्री मित्रसेन यादव जी के लिए अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से शोक–सन्तृप्त परिवारों को शोक संवेदना व्यक्त करता हूं, आप मेरी यह शोक संवेदना दोनों शोक–सन्तृप्त परिवारों को भिजवाने का कष्ट करें।

श्री अध्यक्ष–

उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री मित्रसेन यादव का 07 सितम्बर, 2015 को निधन हो गया। वे लगभग 81 वर्ष के थे। श्री मित्रसेन यादव जी का जन्म 11 जुलाई, 1934 को ग्राम भिटारी, जिला फैजाबाद में हुआ था। उन्होंने इण्टरमीडिएट की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री मित्रसेन यादव वर्ष 1977, 1980, 1985, 1993 में निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर, जिला फैजाबाद से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, वर्ष 1996 में समाजवादी पार्टी तथा वर्ष 2012 में निर्वाचन क्षेत्र बीकापुर, जिला फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे। वे लोक सभा के सदस्य भी रहे थे। श्री मित्रसेन यादव ने विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों में भाग लिया जिसके फलस्वरूप वे कई बार जेल गये थे। वे किसान इंटर कालेज, कल्याणपुर, फैजाबाद के संस्थापक व प्रबन्धक, किसान हाई स्कूल, बनकटा, फैजाबाद के संस्थापक तथा वूमेन्स इंटर कालेज, भिटारी, फैजाबाद के प्रबन्धक थे। रचनात्मक कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी। वे कई सामाजिक संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहे थे। श्री मित्रसेन यादव के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया। उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री राजेन्द्र सिंह राणा का 27 अक्टूबर, 2015 को निधन हो गया। वे लगभग 54 वर्ष के थे। श्री राजेन्द्र सिंह राणा का जन्म 01 जुलाई, 1961 को ग्राम भायला, देवबन्द, जिला सहारनपुर में हुआ था। उन्होंने स्नातकोत्तर एवं एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री राजेन्द्र सिंह राणा वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी तथा वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र देवबन्द, जिला सहारनपुर से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राजेन्द्र सिंह राणा जन आन्दोलन में भाग लेने के फलस्वरूप जिला कारागार, सहारनपुर में बन्दी रहे थे। वे श्री मुलायम सिंह यादव मंत्रि–मण्डल तथा वर्तमान मंत्रि–मण्डल में राज्य मंत्री रहे थे। संसदीय अध्ययन, पत्रकारिता तथा खेल में

उनकी विशेष रुचि थी। श्री राजेन्द्र सिंह राणा जी इस सदन में जब बोलते थे तो सदन कोलाहल में बदल जाता था। कभी–कभी मुझे उन्हें बहुत मनाना भी पड़ता था और कभी उस मनाने में भी बहुत सी वैसी बातें आती थीं जो समाज में और विधान सभा में मनो–विनोद का कारण भी बन जाती थी। ऐसे हमारे साथी के जाने से आज हम सब दुखी हैं आज वो कोलाहल और वो मनो–विनोद की बातें सम्भवतः इस सदन में न हो सके जो राजेन्द्र सिंह राणा जी के समय में थीं। श्री राजेन्द्र सिंह राणा के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। श्री मित्रसेन यादव एवं श्री राजेन्द्र सिंह राणा जी के निधान से आज पूरा सदन शोकाकुल है। मैं अपनी ओर से एवं पूरे सदन की ओर से ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करें एवं उनके शोक–संतप्त परिवारों को इस महान दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं इस सदन में व्यक्त शोक संवेदनाएं मृतकों के शोकाकुल परिवारों को पहुंचा दूंगा। अब हम दिवंगत आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन रखतें हैं।

(सभी सदस्य दो मिनट के लिये अपने–अपने स्थान पर मौन खड़े हुए।)

अब हम उठते हैं कल 11.00 बजे पुनः बैठेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 29 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक : 08 फरवरी, 2016

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0–एल0 40 विधान सभा (66)–16–06–2016–813 प्रतियां (कम्प्यूटर)।